अनुक्रमणिका

भूमिका **1-3**

अध्याय-1 कोड की संकल्पना,स्वरुप एवं प्रकृति **4-24**

1.1 कोड की संकल्पना

1.2 कोड का स्वरुप

1.3 कोड की परिभाषा

1.4 कोड और समाज का अंत: संबंध

अध्याय-2 कोड परिवर्तन की अवधारणा, स्वरुप एवं प्रकृति **25-40**

2.1 कोड परिवर्तन की अवधारणा

2.2 कोड परिवर्तन का अर्थ एवं परिभाषा

2.3 द्विभाषिकता ,बहुभाषिकता व कोड परिवर्तन

2.4 कोड परिवर्तन और कोड मिश्रण में अंतर

अध्याय -3 कोड परिवर्तन के विविध आयाम **41-55**

3.1 कोड परिवर्तन के कारण

3.1.1 सन्दर्भ

3.1.2 प्रतिभागी

3.1.3 विषय

3.2 कोड परिवर्तन के प्रकार

3.2.1 अंतर्वर्गीय कोड परिवर्तन

3.2.2 वाह्य कोड परिवर्तन

3.3 कोड परिवर्तन के सामाजिक कारण

3.4 कोड परिवर्तन के मनोवैज्ञानिक कारण

अध्याय -4 कोड परिवर्तन और उपन्यास : सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य 56-68

4.1 कोड परिवर्तन साहित्य,समाज और मनोविज्ञान

4.2 कोड परिवर्तन और उपन्यास

4.3 हिंदी के कुछ उपन्यासों में कोड परिवर्तन का सामाजिक परिप्रेक्ष्य

4.4हिंदी के कुछ उपन्यासों में कोड परिवर्तन का मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य

उपसंहार 69-71

संदर्भ-ग्रंथ-सूची 72-73